ई-संस्करण, अंक 32

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

प्यारे साथियों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं कि सभी बच्चों के स्कूल अभी भी बंद हैं और सब अपने–अपने घर पर ही हैं। हमने सोचा कि हमारे साथियों को अपने गपशप का इन्तज़ार होगा, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं गपशप का नया अंक। जिसमें हम सब जानेंगे कोरोना के समय में अपने समय का सदुपयोग कैसे करें और इंटरनेट पर ऑनलाइन पढ़ाई करते वक्त किन बातों का ध्यान रखें। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

हक़ की लड़ाई

एक बार जब संपत ने अपने पड़ोस में रहने वाली एक महिला के साथ उसके पति को मार–पीट करते हुए देखा तो उसे रोकने की कोशिश की। तब उस व्यक्ति ने इसे अपना पारिवारिक मामला बता कर उन्हें बीच–बचाव करने से रोक दिया।

इस घटना के बाद संपत ने पाँच महिलाओं को एकजुट कर उस व्यक्ति को खेतों में पीट डाला और यहीं से उनके 'गुलाबी गैंग' की नींव रखी गई। जहाँ कहीं भी उन्होंने किसी तरह की ज़्यादती होते देखी तो वहाँ दल–बल के साथ पहुँच गईं और ग़रीबों, औरतों, पिछड़ों, पीड़ितों, बेरोज़गारों के लिए लड़ाई लड़नी शुरु कर दी। इस गैंग में 10 हज़ार से ज़्यादा महिलाएं हैं।

चित्र स्त्रोतः गुलाबीगैंग.इन

ये महिलाएं अपने साथ डंडा और रस्सी लेकर चलती हैं। गुलाबी साड़ी पहनने वाली गुलाबी गैंग की महिलाओं के काम करने का तरीका बड़ा ही मौलिक और अनोखा है।

गुलाबी गैंग का धरना–प्रदर्शन करने का भी अपना तरीका है। गैंग की मेंबर काम न करने वाले अधिकारी के दफ्तर में घुस जाती है और दरवाज़ा अंदर से बंद कर लेती हैं। पहले एक–दो घंटे चुपचाप बैठी रहती हैं। अगर तब भी वह काम नहीं करता है, तो फिर उसके टेबल पर तब तक मुक्के बरसाए जाते हैं, जब तक कि वह हाथ जोड़कर माफी नहीं माँगने लगता। दफ्तर के बाहर उनका स्टाइल यह होता है कि अधिकारी को गाड़ी से उतार कर पैदल चलवाया जाता है। महिला उत्पीड़न, दहेज प्रथा, बाल विवाह, जैसे कई मोर्चों के साथ भ्रष्टाचार से लड़ रहे गुलाबी गैंग को कई बार पुलिस के दमन का भी मुक़ाबला करना पड़ता है।

वर्ष 2011 में अंतरराष्ट्रीय 'द गार्जियन' पत्रिका ने गुलाबी गैंग की कमांडर संपत पाल को दुनिया की सौ प्रभावशाली प्रेरक महिलाओं की सूची में शामिल किया, कई संस्थाओं ने इनपर फिल्में भी बनाई हैं। संपत पाल अंतरराष्ट्रीय महिला संगठनों द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में भाग लेने पेरिस और इटली भी जा चुकी हैं।

मेरी कलम से-

इस अंक को पढ़ने के बाद आपको अपने कौन-कौन से गुण और कौशल का पता चला?

- मनोबल
- सकारात्मक
- आत्मविश्वासी
- ईमानदारी
- जिज्ञासु
- दृढ़ संकल्प
- एकाग्रता
- जूझारूपन

हम आपसे अपने जीवन की कोई साहसिक कहानी भी जानना चाहते हैं –
या
किसी ऐसी लड़की/महिला के बारे में बताएं जिसके साहस और निडरता को देखकर आपको प्रेरणा मिलती हो।
आप ख़त लिखकर हमें बता सकते हैं। हमें बहुत ख़ुशी होगी।